भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1177
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 28 जुलाई, 2025
06 श्रावण, 1947 (शक)
एनएमएमए के अंतर्गत सांस्कृतिक विरासत का डिजिटलीकरण

1177. श्रीमती रूपकुमारी चौधरी:
डॉ. हेमंत विष्णु सवरा:
श्री जय प्रकाश:
श्रीमती कमलेश जांगड़े:
श्रीमती स्मिता उदय वाघ:
श्री लुम्बाराम चौधरी:
श्री यदुवीर वाडियार:
श्री आलोक शर्मा:
डॉ. संजय जायसवाल:
श्री नव चरण माझी:
श्री गोडम नागेश:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) राष्ट्रीय स्मारक और पुरावशेष मिशन (एनएमएमए) के अंतर्गत विशेष रूप से राजस्थान के तेलंगान, जालौर, सिरोही जिलों, महाराष्ट्र के जलगांव लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र और खानदेश क्षेत्र में अब तक डिजिटलीकृत किए गए स्मारकों, विरासत स्थलों और पुरावशेषों की संख्या का ब्यौरा क्या है;
(ख) विभिन्न राज्यों और संस्थाओं में दस्तावेजीकरण प्रक्रिया में मानकीकरण और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए कौन से तंत्र अपनाए गए हैं;
(ग) सरकार द्वारा भारत की सांस्कृतिक विरासत के जीर्णोद्धार और प्रस्तुतिकरण में 3डी मैंपिग, एआर/वीआर, जीआईएस आदि जैसी प्रौद्योगिकी के उपयोग को एकीकृत करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार का युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के लिए उक्त डिजिटल विरासत डेटाबेस को स्कूलों और उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों के साथ एकीकृत करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ड.) छत्तीसगढ़ के प्रमुख स्मारकों और विरासत स्थलों के डिजिटलीकरण की स्थिति क्या है;
(च) सरकार द्वारा राज्य के विद्यालयों और महाविद्यालयों में उक्त डिजिटल विरासत के बारे में पढ़ाने या प्रचार करने के लिए की गई पहल का ब्यौरा क्या है;
(छ) क्या सरकार का जालौर किले को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ज) महाराष्ट्र के पालघर जिले में स्मारकों और विरासत स्थलों की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस क्षेत्र में इन स्मारकों के संरक्षण के लिए क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): राष्ट्रीय संस्मारक और पुरावशेष मिशन (एनएमएमए) द्वारा अभी तक प्रलेखित स्मारकों और पुरावशेषों की कुल संख्या निम्नानुसार है:

तेलंगाना-2598, राजस्थान-42606, महाराष्ट्र-164973 और निर्मित धरोहर एवं स्थल, तेलंगाना-629, राजस्थान-2160, महाराष्ट्र-32 (अनुबंध-I)। अभी तक के राज्यवार आँकड़े वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। उपर्युक्त आँकड़े एनएमएमए की वेबसाइट: https://nmma.nic.in पर भी अपलोड किए गए हैं।

(ख): वर्ष 2007 से राष्ट्रीय संस्मारक और पुरावशेष मिशन, धरोहर भवनों, स्थलों और पुरावशेषों का दस्तावेजीकरण कर रहा है, जिसका उद्देश्य इसके लिए एक डेटाबेस तैयार करना है। धरोहर भवनों, स्थलों और पुरावशेषों के दस्तावेजीकरण के लिए मानकीकरण और सटीकता सुनिश्चित करने हेतु एक मानक प्रारूप भी तैयार किया गया है।

(ग): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इनके जीर्णोद्धार, संरक्षण, उत्खनन और अन्वेषण में एआर/वीआर, 3डी मैपिंग, जीआईएस आदि प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर रहा है।

(घ): राष्ट्रीय संस्मारक और पुरावशेष मिशन, मंडल कार्यालयों के सहयोग से विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यशालाएँ आयोजित कर रहा है और विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, गैर-सरकारी संगठनों और अन्य इच्छुक संगठनों को प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान कर रहा है। दस्तावेज़ीकरण कार्य में तेज़ी लाने के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य-स्तरीय कार्यान्वयन समिति (एसएलआईसी) को पुनर्गठित करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। ये आँकड़े एनएमएमए की वेबसाइट: https://nmma.nic.in पर उपलब्ध हैं।

(ड.): छत्तीसगढ़ राज्य के संबंध में कुल 60 निर्मित धरोहर और स्थलों का दस्तावेजीकरण और प्रकाशन किया गया है।

(च): राष्ट्रीय संस्मारक और पुरावशेष मिशन, मंडल कार्यालयों के सहयोग से विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यशालाएँ आयोजित कर रहा है और विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, गैर-सरकारी संगठनों और अन्य इच्छुक संगठनों को प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान कर रहा है। दस्तावेज़ीकरण कार्य में तेज़ी लाने के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य-स्तरीय कार्यान्वयन समिति (एसएलआईसी) को पुनर्गठित करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। इन जागरूकता कार्यक्रम के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का दृष्टिकोण भी जोड़ा जाएगा।

(छ): वर्तमान में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ज): महाराष्ट्र राज्य के पालघर जिले में राष्ट्रीय महत्व के 08 संरक्षित स्मारक और क्षेत्र हैं। इनका विवरण **अनुबंध-II** में दिया गया है।

इन स्मारकों में नियमित रूप से संरक्षण कार्य किया जाता है।

अनुबंध- I

लोक सभा में दिनांक 28 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1177 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

एनएमएमए की वेबसाइट पर 23 जुलाई, 2025 तक प्रकाशित पुरावशेष का राज्य-वार ब्यौरा

क्र. सं.	राज्य	कुल आंकडा
1	आंध्र प्रदेश	6229
2	असम	1880
3	बिहार	6264
4	चंडीगढ़	778
5	छत्तीसगढ़	312
6	दिल्ली	425059
7	गोवा	701
8	गुजरात	46229
9	हरियाणा	298547
10	हिमाचल प्रदेश	3974
11	जम्मू और कश्मीर	93430
12	झारखंड	361
13	कर्नाटक	904
14	केरल	906
15	मध्य प्रदेश	4889
16	महाराष्ट्र	164973
17	मिजोरम	684
18	ओडिशा	8113
19	पंजाब	84862
20	राजस्थान	42606
21	तमिलनाडु	3931
22	तेलंगाना	2598
23	लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र	7
24	उत्तराखंड	416
25	उत्तर प्रदेश	37527
26	पश्चिम बंगाल	5168
	कुल	1241348

23 जुलाई, 2025 तक एनएमएमए की वेबसाइट पर निर्मित धरोहर और स्थलों का प्रकाशित किया गया राज्य-वार आंकडा

क्र. सं.	राज्य का नाम	कुल आंकडा
1	आंध्र प्रदेश	1788
2	बिहार	20
3	छत्तीसगढ	60
4	दिल्ली	872
5	गुजरात	46
6	हरियाणा	1
7	हिमाचल प्रदेश	280
8	जम्मू और कश्मीर	292
9	कर्नाटक	312
10	केरल	174
11	मध्य प्रदेश	749
12	महाराष्ट्र	32
13	ओडिशा	2015
14	पंजाब	687
15	राजस्थान	2160
16	तमिलनाडु	922
17	तेलंगाना	629
18	त्रिपुरा	4
19	उत्तर प्रदेश	228
20	पश्चिम बंगाल	135
	कुल	**11406**

अनुबंध-II

लोक सभा में दिनांक 28 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 1177 के भाग (ज) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध

महाराष्ट्र के पालघर जिले में राष्ट्रीय महत्व के संरक्षित स्मारक और क्षेत्र

क्र. सं.	स्मारक/स्थल का नाम	स्थान	ज़िला
1	किला	अर्नाला	पालघर
2	किला और पुराने पुर्तगाली अवशेष		पालघर
3	उमराला गाँव से बोलिंज तक सड़क के पश्चिम की ओर एक तालाब	बोलिंज	पालघर
4	हिस्सा नि-11 में 25 ¼ गुंठा क्षेत्रफल वाला एक टीला जिसे स्थानीय रूप से "सोनार भट " के नाम से जाना जाता है	गास	पालघर
5	बाराद पहाड़ी की गुफाएँ	खुनावाड़ा	पालघर
6	हिस्सा संख्या 2 में 2 एकड़ और 28 ¼ गुंठा क्षेत्रफल वाला एक टीला जिसे स्थानीय रूप से बरुडकोट के नाम से जाना जाता है	मर्देस (नालसोपारा)	पालघर
7	ब्राह्मण गुफाएँ	पोलुसोनाला	पालघर
8	नक्काशीदार पत्थर	वड़ा	पालघर

*****